

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India



प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—संख 3—उपसंख (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार में प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 101] नई दिल्ली, मंगसवर, म.वं 5, 1974/फाल्गुन 14, 1895

No. 101] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 5, 1974/PHALGUNA 14, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate purging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 5th March 1974

S.O. 144(E).—Whereas the Central Government is satisfied that in relation to the textile undertaking known as Shri Vikram Cotton Mills, Lucknow (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing the fall in the volume of production of the textile industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1) of section 7 of the Sick Textile Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1972 (72 of 1972), the Central Government hereby declares that the operation of all the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this notification to which the said industrial undertaking or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations and liabilities (except those relating to banks and financial institutions) accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No. F. 11021/151/72-NTC.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

## ओद्योगिक विकास मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1974

**फा० आ० 144 (ख).**—यह केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि श्री विक्रम काटन मिल्स, लखनऊ के नाम से ज्ञात वस्त्र उपक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ओद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के मंबंध में वस्त्र-उद्योग के उत्पादन की मात्रा में कमी को रोकने की वृद्धि से जन-साधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है :

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, राणधन्वन्तरण उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) अधिनियम, 1972 (1972 का 72) की धारा 7 की उपाधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषित करती है कि इस अधिसूचना के जारी करने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, मन्त्रित-हस्तान्तरण पक्षों, करारों, व्यवस्थानों, पंचांग, स्थायी आदेशों या अन्य नियमितों का, जिनकी उक्त ओद्योगिक उपक्रम या ऐसे उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे ओद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हो जाए, प्रवर्तन ऐसी तारीख से एक वर्ष की अवधि पर्यन्त निर्मित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उन के अधीन प्रादूर्भाव या उद्भव सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व (जो बैंकों और वित्तीय मन्त्याश्रमों में मन्वद्वारा हैं, उन के सिवाय) उक्त अवधिपर्यन्त निर्मित रहेंगे।

[मा० फा० 11021/151/72-एनटीसी]

डॉ० कौ० सक्सेना, मंत्र्युक्त सचिव।